बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते डॉक्टर और दलाल गिरफ्तार

चोटों का मैडिकल मुआयना करने एवं चोटों को गंभीर प्रकृति की दर्शाने के लिये मांगी रिश्वत

भरतपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की भरतपुर टीम ने शुक्रवार को एएसपी महेश मीना के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहाडी के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं उसके एक दलाल को अस्पताल में 20 हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पता चला है कि ब्यूरो टीम की इस कार्यवाही के दौरान जैसे ही डॉक्टर को रिश्वत लेते पकड़ा गया तभी डॉक्टर के आप-सास खड़े लोगो ने डॉक्टर को ब्यूरो की टीम से छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन इसी बीच पहाड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंच पासा पलट दिया।

पुलिस ने डॉक्टर व दलाल को छुड़ाने की कोशिश करने वालों को अपने कब्जे में लेकर रिश्वत लेने के आरोपी डॉक्टर को भागने से रोका। इस कार्यवाही के सम्बंध में एसीबी के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि डॉ. मोहन सिंह वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहाडी को उसके दलाल कुलदीप उर्फ कुल्ली (प्राईवेट व्यक्ति) के माध्यम से परिवादी से 20 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी भरतपुर की टीम ने पहाड़ी सीएचसी के डॉक्टर व दलाल को गिरफ्तार किया।

एसीबी की भरतपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसके एवं उसके भाई की चोटों का मेडिकल मुआयना करने एवं चोटों को गंभीर प्रकृति की दर्शाने के लिये एक्स-रे एडवाईज करने की एवज में डॉ. मोहन सिंह द्वारा अपने दलाल कुलदीप उर्फ कुल्ली (प्राईवेट व्यक्ति) के माध्यम से 30 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया । जिस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर शुक्रवार को कार्यवाही की।

जब राजेश अपने भाई किरोड़ी का मेडिकल मुआयना करवाने गया तो उसने डॉक्टर को 20 हजार रुपए दिए। इस पर एसीबी ने दलाल कुलदीप और डॉक्टर मोहन को रिश्वत के पैसों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी के निर्देशन में आरोपीयान के निवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी है।

'ऑनर किलिंग' के मामले का खुलासा

युवती का गांव के लड़के के साथ अवैध संबंध थे

धौलपुर, (निसं)। मनिया थाना पुलिस ने शुक्रवार को 3 साल पूर्व हुए सनसनीखेज ऑनर किलिंग मामले का खुलासा किया है। पुलिस अनुसंधान में पिता ही बेटी का हत्यारा पाया गया है। बेटी के प्रेम प्रसंग से परेशान होकर पिता ने गला दबाकर हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी पिता को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है।

- **पुलिस जांच में पिता ही बेटी का हत्यारा पाया गया**
- **मर्डर कर बाप ने गांव में अफवाह फैला दी बेटी की कर शादी दी**

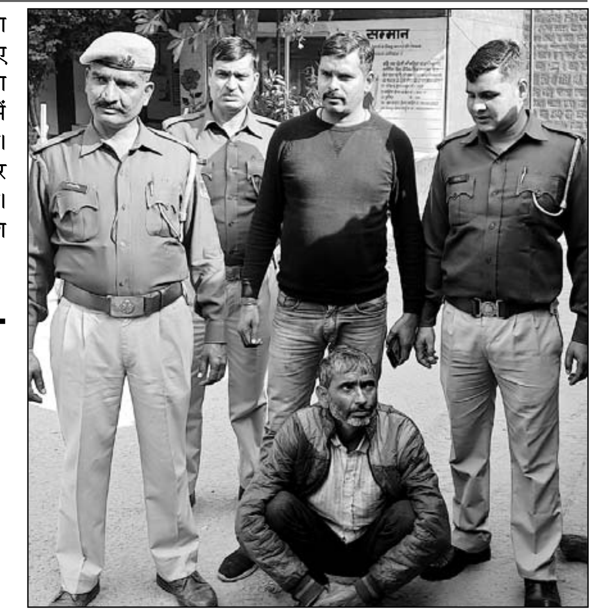

मनिया पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार किया।

पुलिस उप अधीक्षक दीपक खंडेलवाल ने बताया मनिया पुलिस थाने में 26/19 मर्ग 3 साल से पेंडिंग पड़ी हुई थी। मर्ग में ज्ञात हुआ कि 2 अक्टूबर 2019 को हार गांव बगचोली खार की नदी के पास अज्ञात युवती की डेड बॉडी मिली थी। जिसकी की गर्दन में चुन्नी से फंदा लगा हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी युवती की हत्या गला दबाकर करना सामने आया ।

सीओ ने बताया मुखबिर की गुप्त सूचना पर पुलिस को ज्ञात हुआ कि कौलारी थाना क्षेत्र के गांव खड़गपुर से विरोगी जाटव की 18 साल की पुत्री उपासना उर्फ ममता गायब हुई है। पुलिस ने जब विरोगी को पूछताछ के लिए बुलाया तो वह फरार हो गया। ऐसे में हत्या की शक की सुई पूरी तरह से मृतक युवती के पिता पर चली गई। पुलिस ने मुखबिर तंत्र को मजबूत कर विरोगी जाटव को उत्तर प्रदेश से नदी के पास से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया आरोपी पिता ने हत्या के एक-एक बिंदु का खुलासा कर दिया है। सीओ ने बताया 3 वर्ष पूर्व युवती उपासना उर्फ ममता गांव के युवक के साथ भाग गई थी। जो कुछ दिन बाद वापस घर लौट आई थी लेकिन युवती का गांव के लड़के से प्रेम बरकरार बना रहा था । सीओ ने बताया पिता पुत्री को साथ लेकर ग्वालियर मामा के घर छोड़ आया था लेकिन इसके बावजूद भी ममता की बातें प्रेमी से हो रही थी। इसके बाद पिता ग्वालियर पहुंच गया और पुत्री को घर ले जाने के बहाने साथ लेकर चला आया।

मनिया रेलवे स्टेशन से पुत्री ममता को साथ लेकर पिता हार बगचोली खार नदी के पास पहुंच गया। जहां पीछे से घात लगाकर चुन्नी से पुत्री की गर्दन को दबा दिया। हत्या करने के बाद डेड बॉडी को नदी के पास फेंककर वापस गांव आ गया। गांव में पहुंचकर हत्यारे पिता ने बेटी की ग्वालियर शादी करने की अफवाह फैला दी। सीओ दीपक खंडेलवाल ने बताया मुखबिर की सटीक सूचना पर ऑनर किलिंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया।

आर.पी.एस.सी. ने जारी की विचारित सूची

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा गृह (ग्रुप-1) विभाग में सहायक निदेशक (साइबर फोरेंसिक डिवीजन) तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (साइबर फोरेंसिक व पॉलीग्राफ डिवीजन) पदों के लिए संवीक्षा परीक्षा-2021 के तहत पात्रता की जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई है।

साक्षात्कार के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा इन पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के लिए संवीक्षा परीक्षाओं का आयोजन कराया गया था। संवीक्षा परीक्षा के फलस्वरूप सहायक निदेशक (साइबर फोरेंसिक डिवीजन) पद के लिए 6 अभ्यर्थियों तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (साइबर फोरेंसिक डिवीजन, पॉलीग्राफ डिवीजन) पदों के लिए 12-12 अभ्यर्थियों को अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है।

- **आयोग द्वारा इन पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के लिए संवीक्षा परीक्षाओं का आयोजन कराया था**

अटल ने कहा कि जारी की गई विचारित सूची साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। इसका उद्देश्य मात्र दस्तावेज सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करना है। अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों/नियमों के अनुसार की जाएगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी। पात्र पाए गए अभ्यर्थियों में से ही साक्षात्कार के लिए परिणाम जारी किया जाएगा। विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन एवं दस्तावेज सत्यापन के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सहायक निदेशक (साइबर फॉरेंसिक डिवीजन) की परीक्षा का आयोजन 10 जून 2022 को किया गया था। वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी साइबर फोरेंसिक डिवीजन की परीक्षा 11 जून 2022 एवं पॉलीग्राफ डिवीजन की परीक्षा 12 जून 2022 को आयोजित की गई थी।

चूरू में अभी ठंड का अभाव

चूरू, (का.सं.)। चूरू में दिन में धूप में तेजी रहने से सर्दी का असर कम दिखाई देता है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को यहां का अधिकतम 27.4 व न्यूनतम 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यहां पर इन दिनों सुबह दिन निकलने से लेकर दस बजे तक सर्दी का असर बना रहता है। सुबह ग्यारह बजे बाद सर्दी का असर दूर होता है। शाम को छह बजने के साथ ही सर्दी का असर शुरु होता है। जो कि रात भर बना रहता है। यहां पर अभी तक हाड कंपाने वाली सर्दी का दौर शुरु नहीं हुआ है।

'नकल माफिया कांग्रेस शासन में राज कर रहा है'

झुंझुनूं, (निसं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बड़ा तंज कसते हुए कहा कि गहलोत के राज में नकल माफिया कांग्रेस शासन में राज कर रहा है। रीट की चीट के कारण जिन युवाओं की शादिया नक्की हो गई थी। वो भी परीक्षा कैंसिल होने के साथ कैंसिल हो गई। यानि कि युवाओं की शादी तुड़वाने तक का काम सीएम ने किया है।

- **कुंआरों की शादी तुड़वाने का काम सीएम गहलोत ने किया : पूनिया**

डॉ. पूनियां शुक्रवार को झुंझुनूं विधानसभा के भड़ौंदा गांव में जन आक्रोश यात्रा के पहुंचने पर चौपाल को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, भाजपा नेता विश्वंभर पूनियां, निषित चौधरी तथा राजेंद्र भांबू आदि के नेतृत्व में पूनियां का स्वागत किया गया। इस मौके पर पूनियां ने कहा कि कांग्रेस राज में हर 12 किलोमीटर पर एक अधिकारी या फिर कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़ा जा रहा है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। उन्होंने काफी लोगों को काफी कुछ खाते देखा और सुना है। लेकिन राजस्थान में कांग्रेस छह हाथी खा गई। जिस बीएसपी ने कांग्रेस सरकार को बचाया। उसी कांग्रेस सरकार को उनकी बीएसपी, बिजली, सड़क और पानी ले डूबेगी। यह पूरा राजस्थान बोलने लगा है। इस राज में ना बी से बिजली है, ना एस से सड़क है और पी से पानी के लिए सर्दी में भी हाहाकार मचा हुआ है। मंच पर उपस्थित जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा, जिला प्रवक्ता कमलकांत शर्मा, यात्रा विधानसभा संयोजक सुनील लांबा, विनोद झाझड़िया, राजीव चौधरी, यात्रा सह संयोजक इंद्राज सैनी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भादरमल स्वामी ने भी सभा को संबोधित किया। धन्यवाद कुलदीप सिंह काली पहाड़ी ने दिया। जबकि संचालन जिला महामंत्री सरजीत चौधरी ने किया। इनके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनवारीलाल सैनी, विकास शर्मा लोटिया, सेवाराम गुप्ता, सुलताना मंडल अध्यक्ष बलजीत शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष गोविंद सिंह राठौड़, कुलोद मंडल संयोजक अर्जुन महला, पूर्व अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष असगर पहाड़ियान, युवा मोर्चा जिला महामंत्री नरेंद्र सिंह शेखावत, रामनिवास सैनी, दिलीप सैनी, ललित जोशी, सरपंच चरण सिंह, भड़ौंदा कलां सरपंच, मोनिका रिया चौधरी, अभिलेख धनखड़, रणसिंह नेहरा भी मंच पर आसीन थे। सूरज सैन ने कांग्रेस सरकार की नाकामियों पर रागिनी गाई। भाजपा पदाधिकारियों व ग्रामवासियों ने भड़ौंदा कलां सरपंच के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष पूनियां का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। झुंझुनूं से भड़ौंदा कलां मार्ग पर जगह-जगह द्वार गेट लगाकर विधानसभावासियों ने प्रदेशाध्यक्ष का पुष्पमाला, दुपट्टा पहना व पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया।

इसके पश्चात जनाक्रोश यात्रा का रथ भड़ौंदा, मरोत, हेजमपुरा, खाजपुर नया पुराना पहुंचा। जहां पर जोश खरोश के साथ ग्रामीणों के द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर अरुणा सिहाग, मंजू चौहान, ममता शर्मा, सावित्री सैनी, रवि लांबा, चंद्रप्रकाश शुक्ला, शैलेश योगी किठाना, प्रधान ओमप्रकाश मुरोत का बास, जगदीश गोस्वामी, कपिल, पितराम, जलेसिंह, सांवलराम, रामनिवास, प्रभु, संजय बुडानिया, धर्मपाल, महेश शर्मा, करणीराम, ओमप्रकाश शर्मा, दयानंद, रघुवीर कड़वासरा, विजेंद्र शर्मा, योगेश हेजमपुरा, राजेश डारा, ग्राम खाजपुर में पुरुषोत्तम खाजपुरिया के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां का डीजे की धुन के साथ भव्य स्वागत किया गया। जिसमें खाजपुर ग्राम वासियों ने 51 किलो की माला पहनाई। इस मौके पर सहकारी समिति के निर्वाचित अध्यक्ष हरिसिंह महला, पूर्व सरपंच श्रीराम बुडानिया, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष मनोहरलाल खाजपुरिया, सत्यनारायण शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे।

जनसंवाद करने झुंझुनूं पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पूनिया

झुंझुनूं, (निसं)। भाजपा जन आक्रोश यात्रा को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां प्रदेशभर के तूफानी दौरे पर हैं, जहां उनके 9 दिसंबर को झुंझुनूं, 10 दिसंबर को सीकर और नागौर में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जन आक्रोश चौपालों में पहुंचकर कार्यकर्ताओं व आमजन से संवाद के कार्यक्रम हैं और किसानों, युवाओं, महिलाओं के मुद्दों को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं।

वहीं अपनी दो दिन की यात्रा पर शुक्रवार सुबह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां झुंझुनूं पहुंचे। झुंझुनूं पहुंचने पर पीरूसिंह सर्किल पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इस मौके पर उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया भी थे। इस मौके पर उन्होंने शहीद पीरूसिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. पूनियां ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी का सियासी पाखंड और राजनैतिक पर्यटन है। यदि इस यात्रा से कांग्रेस भी जुड़ जाए तो गनिमत है।

परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह को पुष्प अर्पित करते डॉ. पूनिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पंच लाइन अब भारत जोड़ो नहीं, बल्कि राजस्थान को मरता छोड़ो होनी चाहिए। क्योंकि कांग्रेस ने राजस्थान को रहमो करम पर छोड़ दिया है। किसानों और युवाओं के साथ वादाखिलाफी, कानून व्यवस्था का चौपट होना, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर, अस्पताल में डॉक्टर नहीं, स्कूल में मास्टर नहीं। ऐसे मुद्दों पर जनता आक्रोशित थी। इस आक्रोश को और मुखर करने के लिए जन आक्रोश यात्राएं निकाली जा रही है।

पूरे राजस्थान में आमजन इन यात्राओं से जुड़ रहा है। 14 दिसंबर तक यात्राएं चलेगी। इसके बाद 20 दिसंबर तक जन आक्रोश सभाओं का आयोजन किया जाएगा। हमारा लक्ष्य है कि इन यात्राओं के द्वारा हम राजस्थान में 75 हजार किलोमीटर की यात्रा तय कर दो करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचे। उनके दुख-दर्द को सुने और उनके समाधान के लिए सरकार को घेरे। इससे पहले नवलगढ़ सीमा पर भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया के नेतृत्व में भाजपा जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा, जिला मंत्री मंजू सैनी, जिला प्रवक्ता कमलकांत शर्मा आदि ने पूनियां का स्वागत किया। शुक्रवार और शनिवार को पूनियां विभिन्न गांवों में जन आक्रोश यात्राओं के कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे।

- **कांग्रेस की पंच लाइन अब भारत जोड़ो नहीं, बल्कि राजस्थान को मरता छोड़ो होनी चाहिए : पूनिया**
- **पत्रकारों से बातचीत में डॉ. पूनिया ने भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी का सियासी पाखंड और राजनैतिक पर्यटन बताया**

डेढ़ हजार कर्मचारी अब बने अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी

अधिकांश कर्मचारियों को उनके गृह जिले में ही पदस्थापन किया गया

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग ने प्रदेशभर के करीब डेढ़ हजार कर्मचारियों को अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत कर दिया है। खास बात ये रही कि अधिकांश कर्मचारियों को उनके गृह जिले में ही पदस्थापित किया गया है। प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के कर्मचारियों में भी ज्यादातर यहीं पदस्थापित हो गए। ऐसे में पदोन्नति से इस बार कर्मचारी परेशान कम हुए हैं। इन कर्मचारियों को तुरंत नए पद पर कार्यभार ग्रहण के आदेश दिए गए हैं।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पदोन्नत कर्मचारियों की पोस्टिंग की है। शिक्षा निदेशालय के बीस से ज्यादा कर्मचारियों को पदोन्नति मिली है, उन्हें निदेशालय में ही वापस स्थान मिल गया है। इसके अलावा जॉइंट डायरेक्टर व अन्य कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को भी उसी कार्यालय में फिर से पोस्टिंग दी गई है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के गृह जिले में पदोन्नत कर्मचारियों के स्थान परिवर्तन के निर्देशों की पालना नहीं हुई है। अब सिर्फ सीट व अनुभाग बदलकर इन कर्मचारियों का नया पदस्थापन किया जाएगा। आमतौर पर शिक्षा निदेशालय के कर्मचारियों को भी स्कूलों में भेज दिया जाता है।

- **शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला के गृह जिले में पदोन्नत कर्मचारियों के स्थान परिवर्तन के निर्देशों की पालना नहीं हुई**

प्रदेशभर में कर्मचारियों के तबादलों पर रोक रही लेकिन पदोन्नति के साथ पदस्थापन स्थान बदलने की परम्परा के चलते शिक्षा विभाग ने गांवों में बैठे कर्मचारियों को शहरों में सुविधाजनक स्थान भी दिया । खासकर महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में रिक्त पदों को भी इस पदोन्नति से भरने का प्रयास किया है। विभाग ने 22 दिसम्बर तक नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिए हैं। जो कर्मचारी इस तारीख तक अपनी सीट पर नहीं पहुंचेंगे, उनका परमोशन अटक सकता है। दरअसल, इसे पदोन्नति स्वीकार नहीं करना माना जाएगा।

हाफ ईयरली एग्ज़ाम के पहले स्कूल पर ताला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के बुर्जवाला में हाफ ईयरली एग्जाम के पहले दिन स्कूल पर तालाबंदी से शिक्षा विभाग के अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए। ग्रामीण स्कूल में टीचर्स नियुक्त करने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि टीचर्स नहीं होने से उन्हें परेशानी आती है। बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ता है। ऐसे में स्कूल में टीचर्स लगाए ही जाने चाहिए। सुबह बच्चे एक्जाम के लिए स्कूल पहुंचे तो ग्रामीण विरोध प्रदर्शन के लिए खड़े थे।

- **अधिकारियों ने पास के स्कूलों से तीन टीचर्स डैप्यूटेशन पर लगाए**

ग्रामीणों के टीचर्स नियुक्त करने की मांग करने पर प्राचार्य ने उन्हें हाफ ईयरली एग्जाम शुरू होने का हवाला दिया। शुरुआत में तो ग्रामीण तालाबंदी करने पर अड़ गए लेकिन बाद में उन्होंने स्टूडेंट्स को एग्जाम के लिए स्कूल में जाने दिया। इस दौरान ग्रामीण करीब चार घंटे तक स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन करते रहे। इसकी जानकारी शिक्षा विभाग के अफसरों को मिलने पर उसी समय पास के स्कूलों से व्यवस्था के तहत स्कूल में तीन टीचर्स डेप्यूटेशन पर लगा दिए। वहीं ग्रामीणों को दो और टीचर्स की नियुक्ति का आश्वासन दिया गया।

बुजुर्ग की मौत पर परिजनों ने अस्पताल स्टाफ से मारपीट की

नर्सिंग कर्मी के चोट लगने से गुस्साए चिकित्सा स्टाफ ने कार्य बहिष्कार किया

टोंक, (निसं)। जिला सआदत अस्पताल में उपचार के दौरान बुजुर्ग की मौत होने पर परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चिकित्साकर्मियों से मारपीट कर दी, जिससे एक नर्सिंग कर्मी के कान पर चोट लग गई। जिसपर चिकित्सा कर्मियों ने गुस्सा जताते हुए दो घंटे तक कार्य का बहिष्कार किया।

- **मारपीट के दौरान एक नर्सिंगकर्मी के कान पर लगी थी चोट**

जानकारी के अनुसार परिजनों द्वारा मारपीट के बाद कंपाउंडर बंशीवालाल बैरवा के कान में ब्लडिंग होने से गुस्साएं चिकित्साकर्मियों और हॉस्पिटल स्टाफ ने कार्य बहिष्कार कर कार्य रोक दिया। मामला बढ़ता देख अस्पताल पीएमओ मौके पर पहुंचे और उन्होंने चिकित्सा कर्मियों से समझाइस की लेकिन चिकित्साकर्मी मारपीट करने वालों पर कार्यवाही की मांग को लेकर अडे रहे और कार्य बहिष्कार जारी रखा।

परिजनों द्वारा चिकित्साकर्मी से मारपीट करने के बाद अस्पताल में प्रदर्शन करते चिकित्साकर्मी।

सूचना पर पहुंचे कोतवाली थानाधिकारी ने भी दोनों पक्षों से बात कर समझाइश का प्रयास किया। करीब 2 घंटे बाद मारपीट करने वाले लोगों द्वारा माफी मांगने पर मामला शांत हुआ। इस तरह की पुनरावृति ना हो इसको लेकर अस्पताल प्रशासन से मांग की। इस पर पीएमओ ने उचित कार्रवाई कर अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे व सुरक्षा का इंतजाम करने की बात कही।